>

Title: Need to expedite the release of relief package as announced by the Central Government for the people affected by floods in Bihar.

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन (भागलपुर): अध्यक्ष महोदय, मैं आज आपके सामने एक महत्वपूर्ण विषय रखना चाहता हूं। गत वर्ष 2008 में कोसी में बाढ़ आयी थी, उसमें 33 लाख लोग बेघर हुये थे, तीन लाख घर उसमें खत्म हुये थे, दस लाख लोगों को बिहार सरकार ने बाहर निकाला। 362 कैम्प चलाये और 14 हजार करोड़ रुपये की सम्पति का नुकसान हुआ है और उसका मामला बनाकर बिहार सरकार ने केन्द्र को भेजा। वहां के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने अकेले ही बहुत ही मेहनत की और पूरी लड़ाई अकेले लड़ी है। एक बार केन्द्र सरकार ने बिहार सरकार को एक हजार करोड़ रुपया देने की घोषणा की थी लेकिन आज बिहार में पूरी तरह से तबाही हो गई है। जब बिहार में बाढ़ आयी थी तो उस समय उसकी तुलना सुनामी से कर रहे थे लेकिन केन्द्र सरकार उसके बाद से कोई मदद नहीं कर रही है। आज हाउसिंग सैक्टर में 525 करोड़ , बिल्डिंग में 400 करोड़, एग्रीकल्चर में 1762 करोड़ रुपये और रोड्स में 1581 करोड़, ईरिगेशन में 50 करोड़, एजुकेशन में 74 करोड़ रुपये का मामला बिहार की सरकार ने बनाकर 14800 करोड़ रुपये भारत सरकार से मांगा है और उसे केन्द्र सरकार को अविलम्ब देना चाहिये लेकिन सरकार इग्नोर कर रही है।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके जरिये यह कहना चाहता हूं कि केन्द्र की सरकार बिना भेद-भाव किये

बिहार सरकार की मदद करे। श्री नीतीश कुमार, मुख्य मंत्री बिहार सरकार बहुत मेहनत कर रहे है और उन्बहोंने अकेले ही बहुत काम किया है। उस में बिना केन्द्र की मदद के यह सब संभव नहीं है। बिहार के लोग इस इंतजार में है। बहुत बड़ी आबादी इससे प्रभावित है।...(व्यवधान) कोसी के दर्द को आप भी समझते हैं। इसमें कोई राजनैतिक भेदभाव नहीं करना चाहिये। ...(व्यवधान)[s23] महोदय, बिहार सरकार ने जो 14 हजार करोड़ रूपए की मांग की है, वह पैसा केंद्र सरकार को अविलम्ब देना चाहिए। इसमें कोई राजनीतिक भेदभाव नहीं करना चाहिए।